भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1516
31 जुलाई,2026 को उत्तर देने के लिए

रीजनल वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रमों का आयोजन

1516 श्री एस. कल्याणसुन्दरमः

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने हेतु हाल ही में वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान रीजनल वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रमों के आयोजन की घोषणा की है;

(ख) इन क्षेत्रीय कार्यक्रमों के आयोजन हेतु मेजबान राज्यों एवं स्थानों के चयन के लिए अपनाए गए मानदंड क्या हैं;

(ग) क्या सरकार कृषि, समुद्री उत्पादों तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में, विशेषकर कावेरी डेल्टा क्षेत्र में इस कार्यक्रम के महत्वपूर्ण योगदान को दृष्टिगत रखते हुए तमिलनाडु में भी ऐसा कार्यक्रम आयोजित करने का विचार रखती है; और

(घ) इन कार्यक्रमों के माध्यम से अपेक्षित रूप से मिलने वाले प्रोत्साहनों, निवेश प्रतिबद्धताओं तथा सृजित होने वाले व्यावसायिक अवसरों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री
(श्री चिराग पासवान)

(क) से (घ): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने, निवेश को सुगम बनाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में वर्ष 2017, 2023, 2024 और 2025 में 'वर्ल्ड फूड इंडिया' (डब्ल्यूएफआई) के चार संस्करण आयोजित किए। 25-28 सितंबर, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित 'वर्ल्ड फूड इंडिया' के चौथे संस्करण में घरेलू और विदेशी हितधारकों ने बड़े पैमाने पर भाग लिया। इसमें 1725 प्रदर्शकों, 145 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शकों, 115 देशों, 7 मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों सहित 13 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों, 23 प्रदर्शनी लगाने वाले देशों, 28000 से अधिक बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) / बी2जी (बिजनेस टू गवर्नमेंट) बैठकों, 12 जी2जी (गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट) बैठकों, 95000 से अधिक आगंतुकों, 104 कॉर्पोरेट नेताओं, 20 केंद्रीय मंत्रालयों / विभागों और सहयोगी संगठनों, 25 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों, 168 राजनयिकों, 206 वक्ताओं, 1000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों आदि की भागीदारी शामिल थी। इसके अतिरिक्त, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) के माध्यम से एक रिवर्स बायर सेलर मीट (आरबीएसएम) आयोजित की गई, जिसमें 74 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 640 अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों ने भाग लिया। इसके साथ ही, तीसरा ग्लोबल फूड रेगुलेटर्स समिट वर्ष 2025, 24वां इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो, मधु मंडपम और इनक्रेडिबल शेफ़ चैलेंज समानांतर कार्यक्रमों के रूप में आयोजित किए गए। डब्ल्यूएफआई वर्ष 2025 ने ₹1,02,000 करोड़ से अधिक के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की सुविधा प्रदान की, जो भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी निवेश प्रतिबद्धताओं में से एक है। सऊदी अरब और न्यूज़ीलैंड भागीदार देश थे और जापान, रूस, यूएई और वियतनाम इस आयोजन के फोकस देश थे।

क्षेत्रीय पहुंच को और अधिक गहरा करने और राज्य-विशिष्ट शक्तियों को बढ़ावा देने के लिए, एमओएफपीआई ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों में 'वर्ल्ड फूड इंडिया' के चार क्षेत्रीय संस्करण आयोजित करने पर विचार किया था, हालांकि, प्रशासनिक कारणों से इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।

*****